

गोलू देखो यह खिड़की का शीशा कितना गंदा हो गया है बाहर बिल्कुल दिखाई नहीं देता।



मैं थोड़ी देर के लिए बाहर जा रहा हूँ तब तक तुम इसे साफ़ कर दो



अरे यह तो साफ़ ही नहीं हो रहा



अधिक ताकत लगानी पड़ेगी।



वाह गोलू तुमने तो शीशा बिल्कुल चमका दिया। बाहर भी साफ़ दिखाई पड़ रहा है।



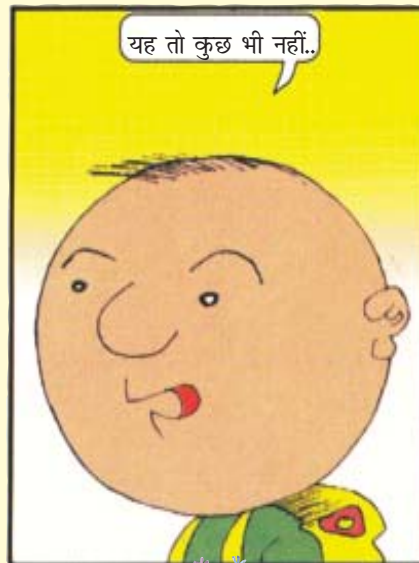
चमका नहीं, पूरी तरह साफ़ कर दिया।

ढब्बू जी

आबिद सुरती



मेरे पापा ने बर्फ़ के पहाड़ का एक ऐसा खरा चित्र बनाया है कि उसे देख कर लोगों के दांत ठंड से बजने लगते हैं..



यह तो कुछ भी नहीं..



मेरे पापा ने एक आदमी का ऐसा खरा चित्र बनाया है कि हमें हर दूसरे दिन उसकी दाढ़ी बनानी पड़ती है...

